तृतीय आल इण्डिया तेरापंथ प्रोफेशनल कॉम्फेंस

प्रोफेशनल्स धरती को स्वर्ग बनाने का प्रयास करें : आचार्य महाश्रमण

कॉम्फेंस में पहुंचे सम्पूर्ण देश से प्रोफेशनल्स

सरदारशहर 7 अगस्त, 2010

आचार्यश्री महाश्रमण ने तेरापंथ प्रोफेशनल्स फॉर्म द्वारा आयोजित दो दिवसीय तृतीय ऑल इण्डिया तेरापंथ प्रोफेशनल्स कॉम्फेंस के शुभारंभ अवसर पर कहा कि तेरापंथ प्रोफेशनल्स धरती को स्वर्ग बनाने का प्रयास करें।जो धरती की, मानव जाति के उत्थान का प्रयास करता है वह दुनिया की बहुत बड़ी सेवा करता है। धरती पर स्वर्ग उतर जाये ऐसा कार्य करने का प्रयास एवं भ्रष्टाचार दूर हो ऐसा प्रयास होने से समाज को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बुद्धि के बल पर धन कमाने वाले और जीवन जीने वाले बुद्धिजीवी होते हैं। बुद्धि एक बड़ी शक्ति है, इसके द्वारा समस्या पैदा भी की जा सकती है और उसका समाधान भी खोजा जा सकता है। जिस बुद्धि के साथ शुद्धि जुड़ी होती है वह समाधान करती है और जिसमे साथ मोह जुड़ जाता है वह समस्या उत्पन्न करने वाली बन जाती है उन्होंने फॉर्म के प्रेरक वाक्य 'स्व विकास – संघ विकास' का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ का विकास वृद्धि कर सकता है जो स्वयं का विकास करता है। स्व विकास न करने वाला संघ के विकास में कितना योगदान दे सकता है यह एक प्रश्न चिन्ह है। उन्होंने प्रोफेशनल लोगों को धन को नम्बर दो पर और सेवा को नम्बर एक पर रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जिसके भीतर अनुकंपा की चेतना जागृत हो जाती है वह भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी से दूर रहता है। उन्होंने आत्मानुशासन विकसित करने पर जोर दिया।

मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने कहा कि प्रोफेशनल्स लोगों में कल्पनाशीलता है, श्रम शीलता है और कुछ करने की शक्ति है। इनके मस्तिष्क का किस तरह उपयोग हो यह चिन्तन आवश्यक है। फॉर्म के मार्गदर्शक मुनि रजनीश कुमार ने आगामी लक्ष्यों पर प्रकाश डाला।

समणी चारित्रप्रज्ञा ने प्रेक्षाध्यान को जीवन पद्धति बताते हुए क्राइसिस मैनेजमेंट पर प्रस्तुति दी। मुख्य वक्ता डॉ. जी.एल. जैन ने विकास की अवधारणा पर विचार रखे। आचार्यश्री महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी ने आगतुंकों का स्वागत किया। फॉर्म के अध्यक्ष नरेन्द्र श्यामसुखा ने फॉर्म की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला।

राजकुमार बरड़िया के गीत से आगाज हुए इस कॉम्फेंस के प्रायोजक मूलचन्द विकास कुमार मालू की तरफ से दीपचन्द दुगड़, नरेन्द्र श्यामसुखा, सलील लोढ़ा आदि ने आचार्य महाश्रमण को कॉम्फेंस की कीट भेंट की। फॉर्म की ओर से पदाधिकारियों द्वारा आचार्यप्रवर को समर्पित किये गये अभिनन्दन पत्र का वाचन जया राखेचा ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुशील पटावरी का सम्मान फॉर्म की ओर से नरेन्द्र श्यामसुखा ने किया। फॉर्म का न्यूजलेटर सम्पादक संजय धारीवाल ने पूज्यवर को विमोचन हेतु भेंट किया, इस न्यूज लेटर का प्रत्येक अंक ईमेल के द्वारा प्रोफेशनल्स लोगों के पास भेजा जायेगा। दीपक पींचा ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन सलील लोढ़ा ने किया।

– ***शीतल बरड़िया*** *(मीडिया संयोजक)*

जीवन विज्ञान व्यक्तित्व कार्यशाला 9 अगस्त से

सरदारशहर 7 अगस्त, 2010

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में मुनि किशनलाल के निर्देशन में पांच दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जो 9 अगस्त से 13 अगस्त तक किया जाएगा। जिसमें देशभर से विभिन्न प्रांतों से लगभग तीस व्यक्ति भाग लेंगे।

प्रेक्षाप्राध्यापक मुनि किशनलाल ने बताया किया हर व्यक्ति विकास चाहता है विकास केवल चाहने से प्राप्त नहीं होता है इसके लिए पुरुषार्थ करना होता है जीवन विज्ञान द्वारा व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का समायोजन एक महत्वपूर्ण उपक्रम है जिससे व्यक्ति का शारीरिक विकास, मानसिक विकास, भावनात्मक विकास और आध्यात्मिक विकास विकसित किया जा सकता है।

जीवन विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला स्थानीय बुचा गेस्ट हाउस में चलेगा, जिसका उद्घाटन सत्र (9 अगस्त को प्रातः काल) स्थानीय तेरापंथ भवन में होगा। यह उपक्रम विशेष रूप से शिक्षा जगत के लिए आयोजित किया जाता है। प्रशिक्षण लेने वाले व्यक्ति अपने-अपने क्षेत्रों में जीवन विज्ञान कार्यशालाएं समायोजित कर सकें, इससे विद्यार्थियों का स्मृति विकास, आवेश पर संतुलन और अनुशासन का विकास हो सकेगा।

– ***शीतल बरड़िया*** *(मीडिया संयोजक)*